

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी  
सत्रांत परीक्षा जुलाई-२०१४

अभ्यासक्रम : डिप्लोमा इन संस्कृति लेंग्वेज (DSL) Numerical Code DSL : 0032

नोंधणी नंबर : \_\_\_\_\_

पाठ्यक्रम संस्कृत भाषा : स्वरूप और परिचय (DSL-01) Numerical Code: 0192

तारीख : 23/07/2014

समय : 11.00 to 12.30

सूचना : १. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

२. सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दशायि गये हैं । कुल अंक : ३५

---

प्रश्न नं. १ संस्कृत भाषानां स्वरूप अने विकास पर नोंध लखो (१०)

अथवा

भाषानी संकल्पना स्पष्टकरी भारोपीय भाषाओनो परिचय आपो.

प्रश्न नं. २ गुरु, वारि, अने मातृ नामनां विभक्ति रूपो आपो. (१०)

अथवा

वद् (परस्मैपदी) अने कम्प (आत्मनेपदी) धातुनां वर्तमानकाण, आज्ञार्थ अने विद्यर्थनां रूपो लखो.

प्रश्न नं. ३ नीचेनामांथी गमे ते त्रशनां जवाब आपो. (१५)

(१) भारोपीय परिवारनी भाषाओ विभक्ति प्रधान छे. विधान सोदाहरण समजावो.

(२) कर्तरी, कर्मशी अने भावे प्रयोगनुं अेक अेक उदाहरण आपी तेमनी वय्येनो भेद टूंकमां जशावो.

(३) संस्कृत वांग्मयमांथी तमने पसंद अेवा बे सुभाषित लखी तेनो अर्थ स्पष्ट करो.

(४) महाकवि भासनी कृतिओ जशावो.

(५) दश गणनां नाम जशावी तेनां विकरण प्रत्ययो जशावो.

-----

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी  
सत्रांत परीक्षा जुलाई-२०१४

अभ्यासक्रम	: डिप्लोमा इन संस्कृति लेंग्वेज (DSL)	Numerical Code DSL : 0032
		नोंधणी नंबर : _____
पाठ्यक्रम	: प्रशिष्ट संस्कृत साहित्यनो परिचय (DSL-02)	Numerical Code : 0193
तारीख	: 23/07/2014	
समय	: 03.00 to 4.30	
सूचना	: १. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ३. सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दशायि गये हैं । कुल अंक : ३५	

- 
- प्रश्न नं. १ वैदिक साहित्यनो संक्षिप्त परिचय करावो. (१०)  
अथवा  
लौकिक कथा साहित्यनां उद्भव अने विकास विशे विस्तृत नोंध लप्पी तेनां प्रकारो जशावो.
- प्रश्न नं. २ यजुर्वेदनां विषयोनुं रसदर्शन करावी तेनुं मडत्व स्पष्ट करो. (१०)  
अथवा  
धर्मप्रचारक कथाओ कर्ण कर्ण हती. प्रत्येकनो टूंकमां परिचय आपो.
- प्रश्न नं. ३ नीयेनामांथी गमे ते त्रशनां उत्तर आपो. (१५)  
१. पंयतंत्र अने हितोपदेशमां आवती कथाओनो उदेश शो हतो ?  
२. अथर्ववेदनां विषयस्तू अंगे टूंकमां जशावो.  
३. 'कङ्कस्य तु लोभेन मग्नः पङ्के सुदुस्तरे ।  
'वृद्धव्याघ्रेण सम्प्राप्तः पथिकः स मृता यथा ॥' श्लोकनो अर्थ आपी तेनां निर्दिष्ट कथानो टूंकसार तमारा शब्दोमां लप्पो.  
४. रामायण अने महाभारतनी लोकप्रियतानां कारणो जशावो.  
५. ऋग्वेदनां ब्राह्मणग्रंथोनां टूंकमां परिचय आपो.

-----

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी  
सत्रांत परीक्षा जुलाई-२०१४

अभ्यासक्रम	: डिप्लोमा इन संस्कृति लेंग्वेज (DSL)	Numerical Code DSL : 0032
		नोंधणी नंबर : _____
पाठ्यक्रम	: दर्शन साहित्य, धर्मशास्त्र और व्यावहारिक व्याकरण (DSL-03)	
तारीख	: 24/07/2014	Numerical Code : 0194
समय	: 11.00 to 12.30	
सूचना	: १. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ४. सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दशायि गये हैं । कुल अंक : ३५	

- 
- प्रश्न नं. १ सांध्यदर्शननां प्रवर्तकनो परियय आपी तेमनो समय, जन्मस्थल अने शिष्य परंपरा अंगे नोंध लपो. (१०)
- अथवा  
नास्तिक दर्शननी संकल्पना स्पष्ट करी बौद्धदर्शन तथा जैनदर्शननो परियय आपो.
- प्रश्न नं. २ याज्ञवल्क्य स्मृति, पराशर स्मृति अने नारदस्मृतिनो परियय आपो. (१०)
- अथवा  
प्रेरक वाक्यरचना तथा सतिसप्तमी प्रयोग उदाहरण सहित समजावो.
- प्रश्न नं. ३ नीयेनामांथी गमे ते त्रणनां उत्तर आपो. (१५)
१. अनादशर्वे षष्ठी प्रयोग सोदाहरण समजावो.
  २. स्वर संधि उदाहरण सहित समजावो.
  ३. समाहार द्वन्द्व, धतुरेतर द्वन्द्व अने ओकशेष द्वन्द्वनो भेद उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो.
  ४. योगसूत्रनो परियय आपी तेनां द्वितीयपादनां विषयवस्तुनुं वर्णन टूंकमां करो.
  ५. आर्वाक दर्शननो टूंकमां परियय आपो.
-

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी  
सत्रांत परीक्षा जुलाई-२०१४

अभ्यासक्रम	: डिप्लोमा इन संस्कृति लेंग्वेज (DSL)	Numerical Code DSL : 0032
		नोंधणी नंबर : _____
पाठ्यक्रम	: संस्कृत काव्य विवेचन अने गुजरातनुं संस्कृत साहित्यमां प्रदान (DSL-04)	
तारीख	: 24/07/2014	Numerical Code : 0195
समय	: 03.00 to 4.30	
सूचना	: १. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ५. सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दशायि गये हैं । कुल अंक : ३५	

- 
- प्रश्न नं. १ आचार्य मम्मटनां मतनुसार काव्यनां प्रयोजनो समझवो. (१०)  
अथवा  
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' - विधान काव्यशास्त्रनां जे विचारप्रवाहने दशवि छे,  
तेनो सविस्तार परियय आपो.
- प्रश्न नं. २ सोलंकी काणनां बे मडान ज्योतिर्धरोनां नाम आपी बने विशे तेमना संस्कृत  
साहित्यमां प्रदान संदर्भे नोंध लपो. (१०)  
अथवा  
स्वातंत्र्योत्तर आधुनिक संस्कृत साहित्यमांथी कोर्पण त्रण कृति अने तेनां  
कर्ताओनो परियय आपो.
- प्रश्न नं. ३ नीयेनामांथी गमे ते त्रणनां उत्तर आपो. (१५)  
१. गुजरातनां ऐतिहासिक कालखंडो जशावो,  
२. 'प्रहल्लादन देव' नो परियय आपी संस्कृत साहित्यमां तेमनुं प्रदान जशावो  
३. मडाकवि भट्टनो टूंकमां परियय आपी तेमनी कृतिओ जशावो.  
४. द्वयाश्रय महाकाव्य नो परियय आपो.  
५. आचार्य विश्वनाथना मते काव्यनी व्याख्या आपो.
-